1546/08

विक्रय पत्र

23400=00

विक्रय पत्र कीमती रू. ~~13000~~ =00 मालियत 40500=00 विक्रीत रकवा 0.036 है0

मैं के शिवधार पुत्र श्री जय कृष्ण सा0 पुजारगांव पट्टी धनारी तहसील डुण्डा जिला उत्तरकाशी वाला अपने होशहवास स्वस्थ पिता स्थिर बुद्धि से बिना किसी दबाव के बिना नशापान किये हुये स्वेच्छा से यह एक वयनामा/विक्रय पत्र क्रेता राज्यपाल महोदय के द्वारा उत्तरकाशी के हक में यह तहरीर किये देता हूं कि विक्रेता पक्ष नीचे लिखी सम्मपति का मालिक है, जिसे विक्रय करने का मुझे पूर्ण अधिकार है। यह सम्मपति सभी प्रकार से भार मुक्त हैं। विक्रेता पक्ष के अतिरिक्त इस सम्पति का अन्य स्वामी अथवा भूमिधर नही है।

यह कि विक्रेता पक्ष ने मन एवं चित से और स्वेच्छा से निम्नलिखित भूमि के बदले में मु0 श्रीमती मंजीरा देवी शिक्षण एवं प्रशिक्षण समिति पुजारगांव धनारी आज दिनांक 26.10.2008 प्राप्त कर भूमि के अन्तर्गत निर्मित होने वाले डा0 एच.एस. नौटियाल निदेशक श्रीमती मंजीरा देवी प्रशिक्षण संस्थान हिटाणु धनारी को सदैव के लिये विक्रय कर दिया है।

यह कि विक्रेता पक्ष ने अपने समस्त अधिकार,स्वत्व और हित का तथा बिना कोई विषय सुरक्षित रखे हुये किया है। और अपना समस्त कब्जा हस्तांतरित कर दिया है। अब विक्रेता पक्ष या उसके वारिसान का नीचे लिखी भूमि में कोई अधिकार नही रह गया हैं। स्टाम्प एवं रजिस्ट्री शुल्क सरकार / .... उत्तरकाशी के द्वारा दिया जायेगा।

लिहाजा विक्रय पत्र आज दिनांक 26-10-08 को लिपिवद्ध करवाकर पड़ सुनकर समझकर रजिस्ट्री हेतु अपने हस्ताक्षर किये देता हूं जिससे कि प्रमाण रहे समय पर काम आवे। मैं अनु0 जाति / जनजाति का सदस्य नहीं हूँ।

विक्रीत भूमि का विवरण

ग्राम पट्टी तहसील	खतौनी खाता न0	खेत न0	विक्रीत क्षेत्रफल	किस्म भूमि
पुजारगांव प० धनारी त० डुण्डा	132	1991	0.036	अंशिचित
योग				

कहने श्री – शिवधार पुत्र जय कृष्ण के लिखा गया।

बकलम

हस्ताक्षर क्रेता

शिवधार

हस्ताक्षर विक्रेता

गवाह न0. 01 श्री चन्द्रमोहन उनियाल पुत्र श्री जगदीश प्रसाद ग्राम पुजारगांव प० धनारी

गवाह न0 02 श्री विरेन्द्रदत्त पुत्र श्री जगदीश प्रसाद ग्राम जडीदुमका प० धनारी